# Press coverage after first visit to Narora

देसां म्हं देस हरियाणा

फतेहाबाद भास्कर

टोहाना-रतिया | हिसार | शुक्रवार, 12 अक्टूबर, 2012 | भूना-भट्टू कलां

## गोरखपुर परमाणु संयंत्र विरोधी मुहिम के मुखिया पलटे

### हंसराज सिवाच के साथ किसानों और प्रशासनिक अधिकारियों का दल उत्तर प्रदेश के नरोरा परमाणु संयंत्र का दौरा कर लौटा

**▪ दो वर्षों से अधिक गोरखपुर परमाणु संयंत्र लगने का विरोध करने वाले किसानों के प्रधान का सुर बदला**

संजय आहूजा | फतेहाबाद

करीब दो साल तक परमाणु संयंत्र को गलत बता कर गोरखपुर में लगने का विरोध करने वाले हंसराज सिवाच अब संयंत्र को सही मान रहे हैं। उत्तर प्रदेश के जिला बुलंदशहर के कस्बा नरोरा में स्थित परमाणु बिजली संयंत्र का दौरा करके आए हंसराज का कहना है कि संयंत्र को लेकर हमें बहकाया गया, कभी राजनीतिक दलों ने तो कभी विरोधी वैज्ञानिकों ने। असल में संयंत्र से कोई नुकसान नहीं है। न रेडिएशन का असर है न ही पानी का नुकसान। संयंत्र लगने से तो हर हालत में विकास ही होगा।

#### गुरुवार को लौटा दल

8 अक्टूबर नरोरा के परमाणु संयंत्र का दौरा करने गया 58 सदस्यीय दल गुरुवार को लौट आया। इसमें 41 किसान व अधिकारीगण शामिल थे। नरोरा संयंत्र के केंद्र निदेशक एसके शर्मा ने दल का स्वागत करते हुए बताया कि यह संयंत्र दो दशक से भी ज्यादा समय से बिजली उत्पादन कर रहा है। यहां 220-220 मेगावाट की दो इकाइयां हैं। प्रतिदिन बिजली उत्पादन करती है। यह एशिया का पहला परमाणु बिजली संयंत्र है। आईएसओ ने इस संयंत्र को सुरक्षा प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण के उच्च गुणवत्ता के लिए प्रमाण पत्र जारी किया है। किसान हंसराज सिवाच, निहाल सिंह सिवाच, रमेश, जोगेंद्र पूर्व सरपंच, सुरेश दत्ता ने बताया कि दौरे के बाद भ्रांतियां दूर हो गई हैं। परमाणु बिजली संयंत्र पर्यावरण मैत्री है। किसान मेनपाल, सुनील, अनिल व सुखबीर बताते हैं कि पहले उनको बताया गया था कि परमाणु संयंत्र लगने से आने वाली पीढ़ियां अपंग पैदा होंगी। महिला गर्भवती नहीं होंगी। पशुओं व अन्य जीवों में खतरनाक बीमारी फैलेगी। लेकिन वहां के लोगों का जीवन खुशहाल है। संयंत्र में आधुनिक चिकित्सा सुविधा से परिपूर्ण अस्पताल है। वहां के निवासियों के अनुसार वे 20 सालों से यहां रह रहे हैं। किसी भी तरह की कोई बीमारी, खतरा या रेडिएशन नहीं है। किसानों ने संयंत्र के आसपास के क्षेत्रों में खेती कर रहे किसानों और निवासियों से भी बात की।

**हम तो बेवजह लेट हो गए**

दो साल तक परमाणु संयंत्र विरोधी आंदोलन का नेतृत्व कर चुके हंसराज अब दिल खोलकर परमाणु संयंत्र की हिमायत की। उन्होंने कहा कि हमने तो बेवजह विरोध में दो साल का वक्त बर्बाद कर दिया। हम पहले ही संयंत्र देख लेते तो इतना वक्त न लगता। उन्होंने कहा कि परमाणु संयंत्र से कोई नुकसान व खतरा नहीं है। इससे खुशहाली आएगी। सिवाच ने कहा कि नरोरा का इतिहास जान तो पता चला कि संयंत्र लगने से पहले वहां के लोग अभाव में लिप्त थे, खाली बैठे रहते थे, लेकिन आज वहां हर आदमी काम लगा हुआ है।

#### संयंत्र लगने के बाद बदल गए क्षेत्र के हालात

वहां के लोगों ने बताया कि संयंत्र लगने के बाद यहां शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी व अन्य सुविधाओं में इजाफा हुआ है। एनपीसीआईएल ने यहां आधुनिक अस्पताल, स्कूल, कॉलेज, दो बैंक, गैस एजेंसियों, खेल स्टेडियम की सुविधा मुहैया करवाई है।

वहां के किसानों ने बताया कि इस संयंत्र के लगने के बाद पर्याप्त बिजली मिली है। उनके ट्यूबवेल भी कामयाब हुए हैं और फसल के उत्पादन में बढ़ोतरी हुई है। दल में डीएसपी सिद्धार्थ, तहसीलदार दर्शन सिंह, सहायक सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी आत्माराम, एनपीसीआईएल के एसके गुमास्ता, कार्यकारी अभियंता वीके शर्मा, तकनीकी सहायक रणबीर घणघस, कानूनगो छेलूराम, इंद्र, सुभाष व सुरेश भी शामिल थे।

## नरोरा परमाणु संयंत्र का दौरा कर लौटा किसानों का दल

फतेहाबाद: उत्तर प्रदेश के जिला बुलंदशहर स्थित कस्बा नरोरा में आठ अक्तूबर को परमाणु बिजली संयत्र देखने गए 58 सदस्यीय दल गुरूवार को वापिस लौटा। इस दल में 41 किसान व अन्य अधिकारीगण शामिल थे। इस दल का नरोरा स्थित परमाणु बिजली संयत्र के केंद्र निदेशक एसके शर्मा ने अपनी टीम के साथ स्वागत किया और जानकारी देते हुए बताया कि नरोरा परमाणु बिजली केंद्र एनपीसीआईएल की ईकाई है। दो दशक से भी ज्यादा समय से यह बिजली उत्पादन कर रहा है। इस संयत्र में दो 220-220 मेगावाट की ईकाईया है। प्रतिदिन बिजली उत्पादन करती है। उन्होंने बताया कि यह एशिया का पहला परमाणु बिजली संयत्र है, जिसमें आधुनिक कंट्रोल रूम 24 घंटे निरंतर हर गतिविधि पर नजर रखता है। आईएसओ ने इस संयत्र को सुरक्षा प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण के उच्च गुणवता के लिए प्रमाण पत्र जारी किया है। श्री शर्मा ने बताया कि परमाणु बिजली संयत्र का प्रयास केवल ऊर्जा उत्पादन तक सीमित नहीं है। समाज के प्रति अपनी सहभागिता भी निभाता है। समय-समय पर लोक कल्याण के कार्यों में भाग लेता है और अपना सहयोग देता है।

किसान हंसराज सिवाच, निहाल सिंह सिवाच, रमेश, जोगेंद्र पूर्व सरपंच, सुरेश दत्ता ने परमाणु बिजली संयत्र का दौरा करने के उपरांत बताया कि लोगों के बीच परमाणु बिजली संयत्र बारे में अलग-अलग भ्रांतियां थी, जो इस संयत्र को देखने उपरांत कम ही नहीं हुई है, बल्कि परमाणु बिजली संयत्र के बारे में कोई भ्रांति है ही नहीं। परमाणु बिजली संयत्र पर्यावरण का मैत्री है और यहां जीव-जंतु व खेती आदि देखकर यह कहा जा सकता है कि आधुनिक युग में यहां के निवासी जीवन यापन कर रहे है। मेनपाल, सुनील, अनिल व सुखबीर बताते है कि पहले उनको यह बताया गया था कि परमाणु संयत्र लगने से आने वाली पीढिया अपंग पैदा होगी, महिला गर्भवति नहीं होंगी, पशुओं व अन्य जीवों में खतरनाक बीमारी होगी, परंतु यहा आकर देखने से पता लगा कि इस संयत्र में रह रहे लोगों का जीवन ढंग बहुत ही आधुनिक है। इस संयत्र में आधुनिक चिकित्सा सुविधा से परिपूर्ण अस्पताल है। वहां के निवासियों ने किसानों को बताया कि वे 20 सालों से यहां रह रहे है और उनका पूरा परिवार यहां रहता है। किसी भी तरह की कोई बीमारी व अन्य किसी भी प्रकार को कोई खतरनाक रेडिएशन मौजूद नहीं है। किसानों के दल ने संयत्र के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों में खेती कर रहे किसानों और निवासियों से बातचीत की। वहां के किसानों ने बताया कि यहां जगंल था और गंगा नदी पर स्नान करने आते थे। वहां के किसानों ने बताया कि परमाणु बिजली संयत्र से 4 गांवों को विस्थापित किया गया। परमाणु बिजली संयत्र के लगने के बाद यहां खेती में अमूलचूल परिवर्तन आया है और इसके साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी व अन्य सुविधाओं में इजाफा हुआ है। एनपीसीआईएल की तरफ से यहां के निवासियों को हर सुविधा उपलब्ध करवाई गई है। यहां आधुनिक अस्पताल, स्कूल, कॉलेज, दो बैंक, गैस एजैसिंया, खेल स्टेडियम सहित अन्य महत्वपूर्ण सुविधाएं मुहैया करवाई गई है। किसानों के दल ने परमाणु बिजली संयत्र की दीवार के साथ लगते खेतों में वहां के किसानों से भी बातचीत की और उनसे खेती बारे जानकारी ली। किसानों ने बताया कि इस संयत्र के लगने के बाद पर्याप्त मात्रा में बिजली मिली है और उनके ट्यूब्वैल भी कामयाब हुए है और फसल के उत्पादन में बढ़ौतरी हुई है। किसानों के दल के साथ उपपुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ, तहसीलदार दर्शन सिंह, सहायक सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी आत्माराम, एनपीसीआईएल के एसके गुमास्ता, कार्यकारी अभियंता वीके शर्मा, तकनीकी सहायक रणबीर घणघस, कानूनगो छेलूराम, इंद्र, सुभाष व सुरेश सहित अधिकारी व चिकित्सक शामिल थे।